बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

योना और बड़ी मछली

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Jonathan Hay
रूपान्तरकार: Mary-Anne S.
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2015 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

वर्षों पहले, योना नाम का एक आदमी इस्राएल देश में रहता था। एक दिन, परमेश्वर ने उसे सबसे बड़ा और दुनिया में सबसे शक्तिशाली शहर नीनवे देश को जाने के लिए कहा।

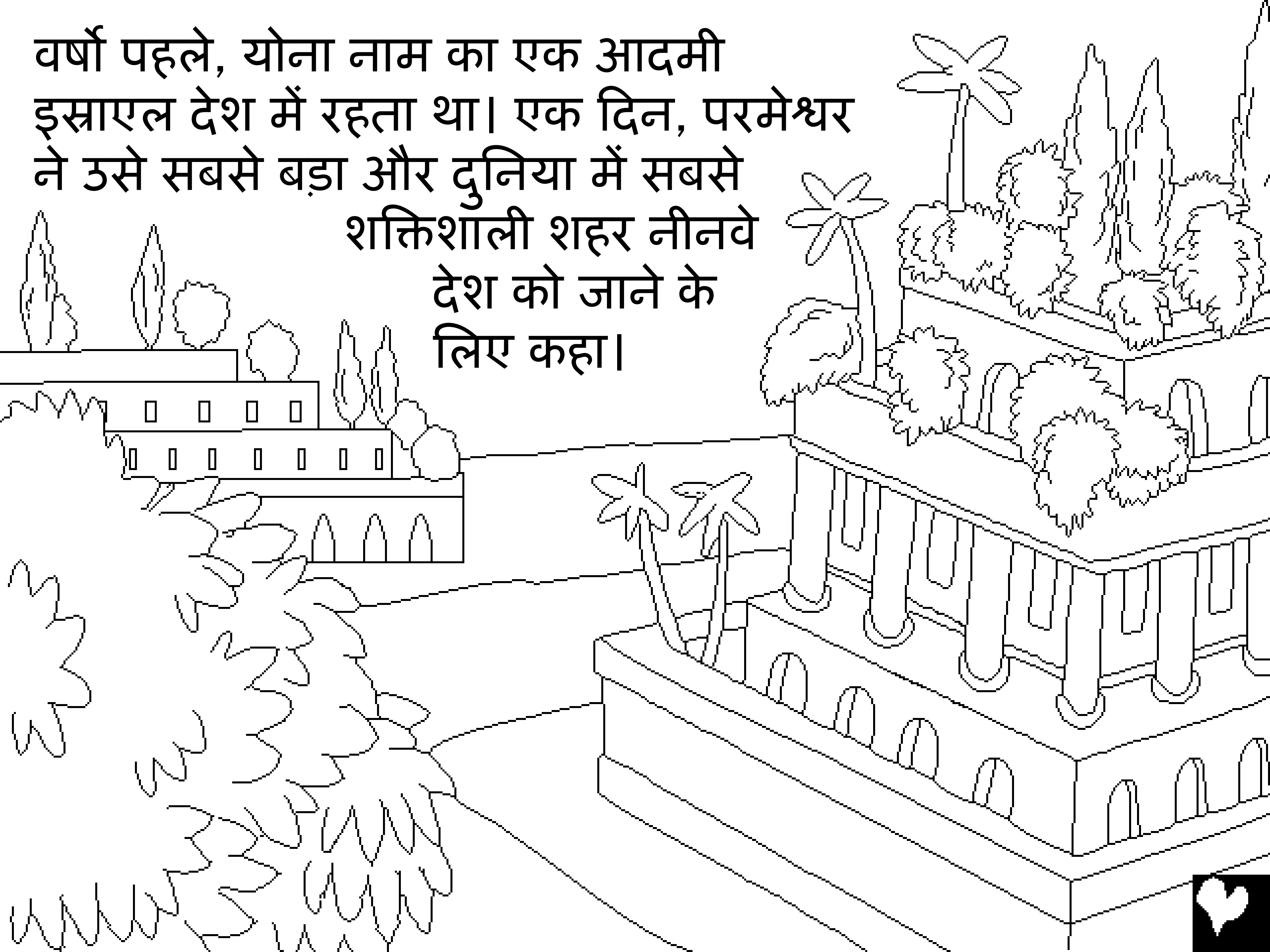

योना को उन सभी लोगों को चेतावनी देनी थी जो परमेश्वर की नज़रों में दुष्ट थे।

योना परमेश्वर की बात नहीं मानी! नीनवे जाने के बजाय योना तर्शीश जाने वाली एक जहाज जो विपरीत दिशा में जा रही थी पर सवार होकर रवाना हो गया।

प्रभु परमेश्वर ने समुद्र में एक भयंकर तूफान भेजा। वह एक बहुत बड़ा तूफान था! जहाज के नाविक डरने लगे कि जहाज कहीं टूट कर डूब न जाये।

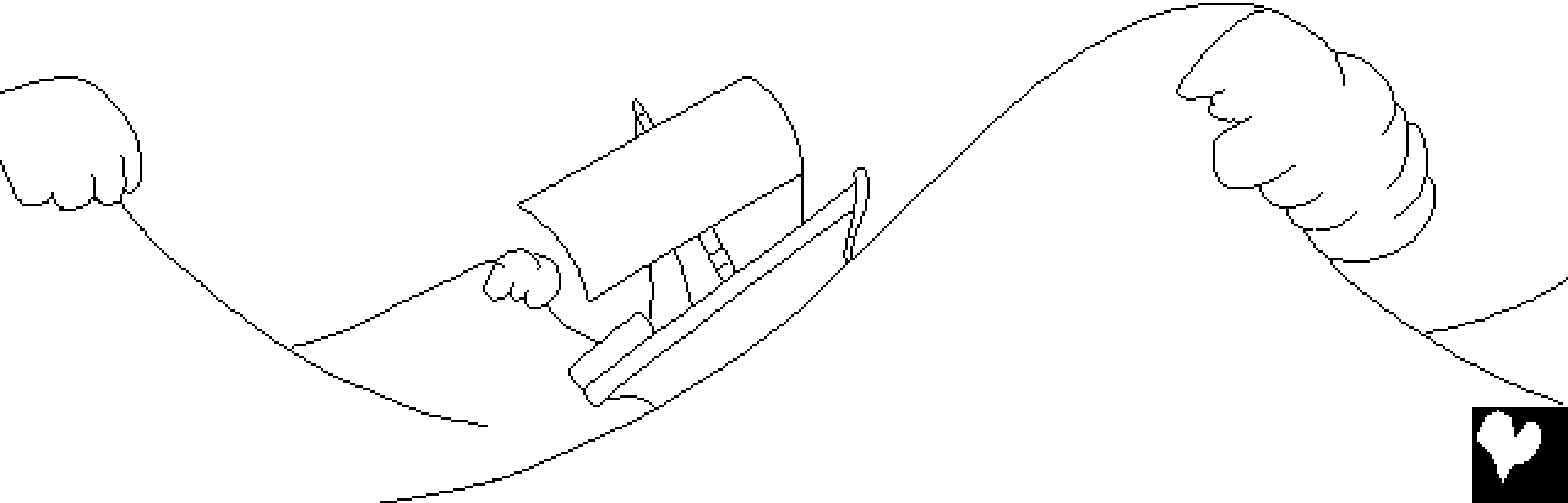

तूफान बद से बदतर होता गया। सभी डरे नाविकों ने उनके देवताओं से प्रार्थना की और जहाज हल्का करने के लिए सभी कार्गो (सामान) को पानी में फेंक दिया। लेकिन उन्हें कुछ भी मदद नहीं मिली।

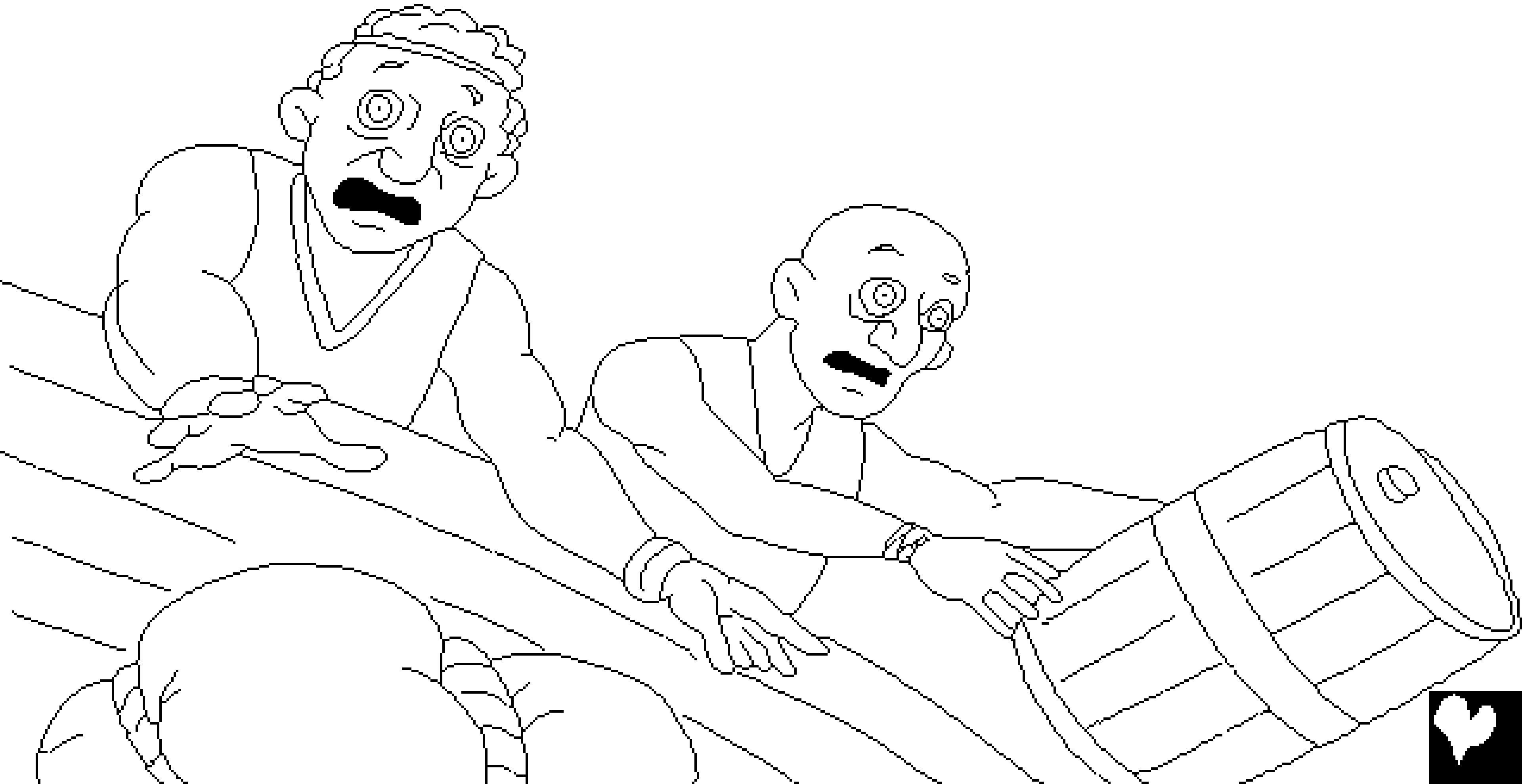

योना ही केवल एक व्यक्ति था जो जहाज पर रहते हुए प्रार्थना नहीं किया। इसके वजाय, वह जहाज के अंदर नीचले छोर में पड़ा हुआ अच्छी नींद में सो रहा था। जहाज के कप्तान ने उसे अचानक देखा। "तुम यहाँ सो कर क्या कर रहे हो? उठो! अपने परमेश्वर से प्रार्थना करो! शायद परमेश्वर हमारे बारे में कुछ सोचे ताकि हम नाश होने से बच जाएँ।

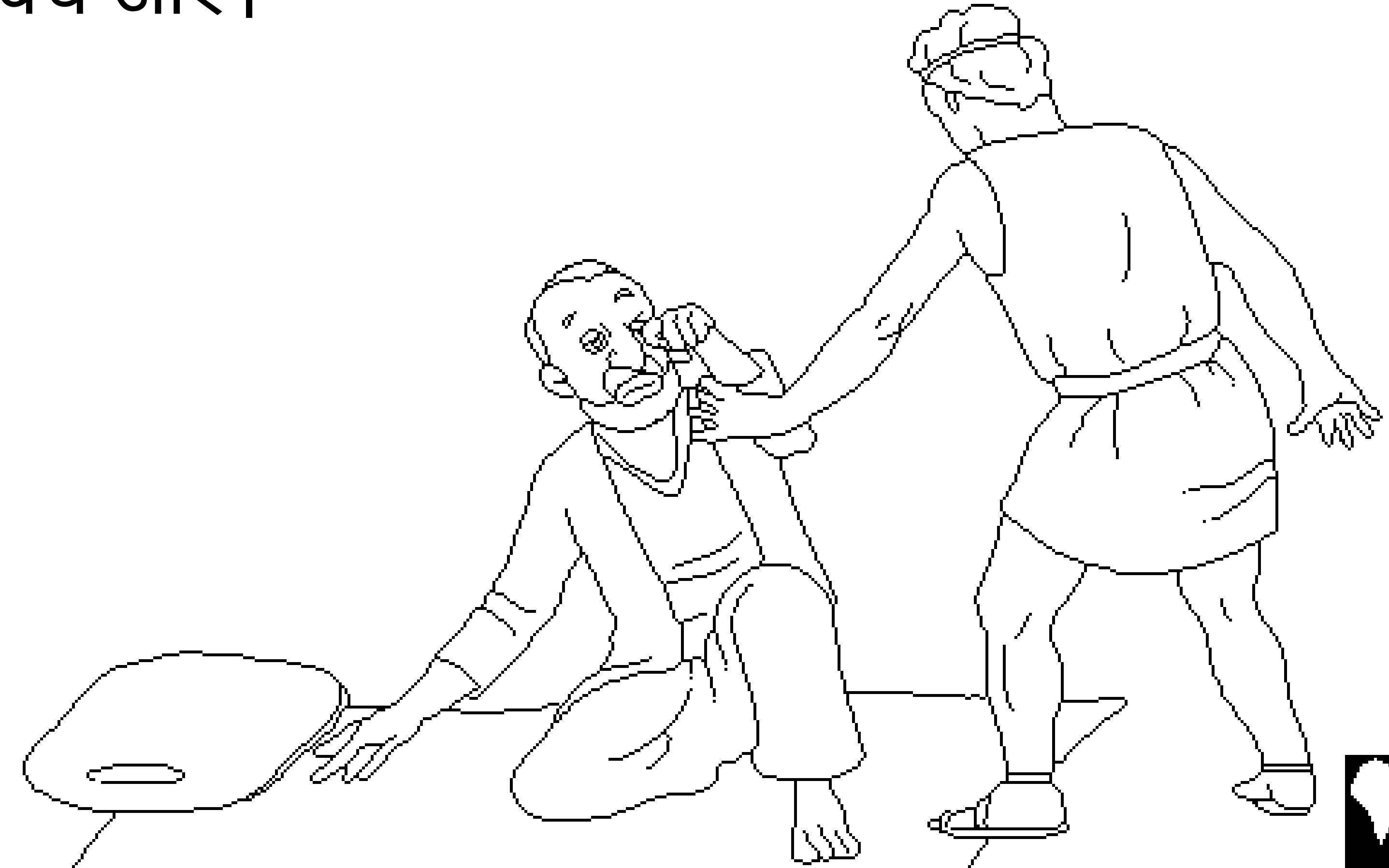

नाविकों ने जल्द ही पता लगा लिया कि उनकी परेशानी योना से कहीं न कहीं जुड़ी है। उसने उन्हें बताया कि वह परमेश्वर से दूर भाग रहा है। वे उससे पूछे, तो हम तुम्हारे साथ क्या करें कि "समुद्र हमारे लिए शांत हो सके?" योना ने उत्तर दिया, "मुझे उठाकर समुद्र में फेंक दो" क्योंकि मैं जनता हूँ की मेरी वजह से ही यह महान तूफान तुम सब पर आया है।

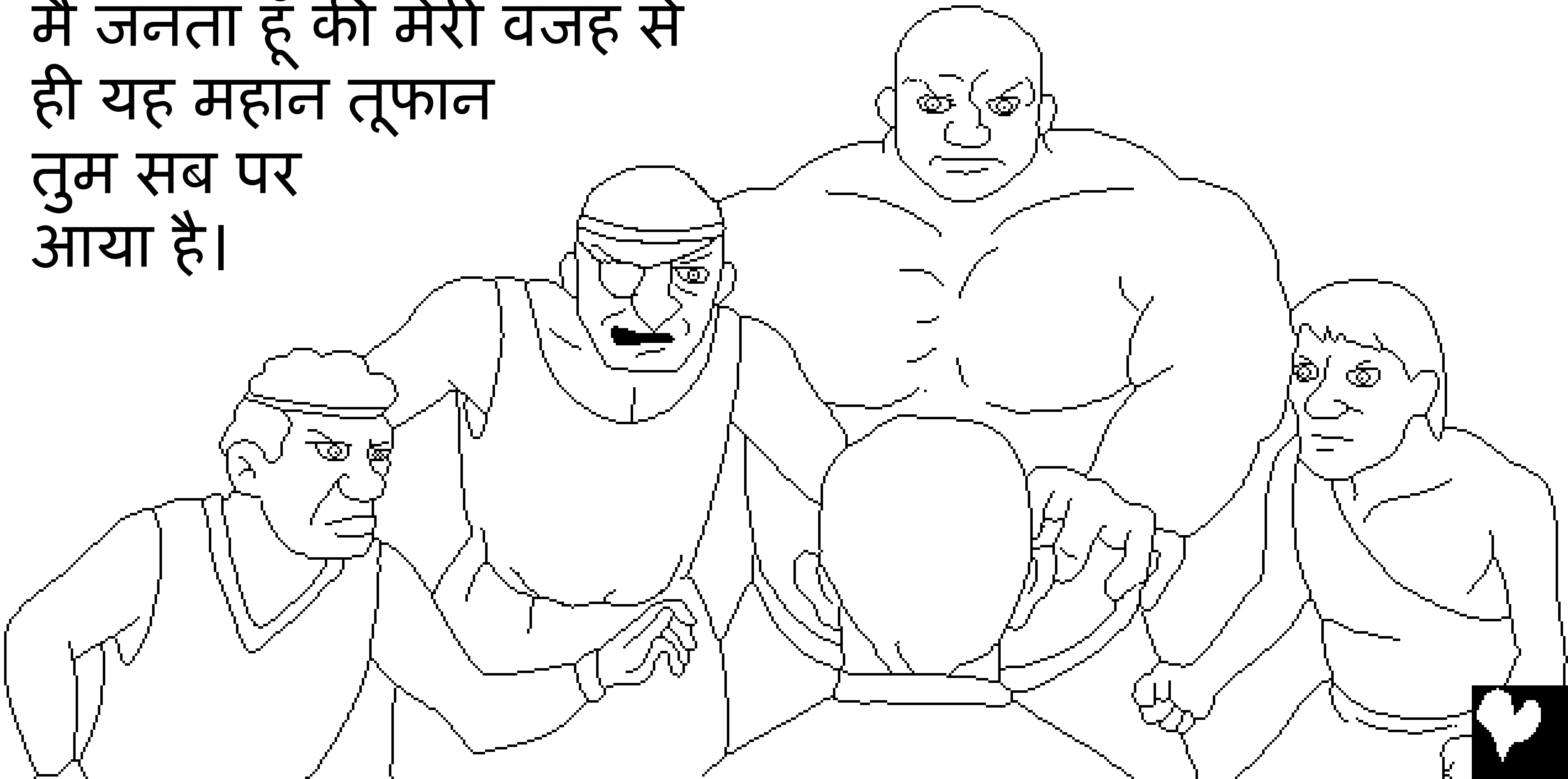

नाविक योना को पानी में फेंकना नहीं चाहते थे। इस लिए वे कड़ी मेहनत से जहाज को खेते रहे ताकि वे जहाज को किनारे भूमि तक ला सकें। परन्तु वे ऐसा नहीं कर सके; अब केवल एक ही चीज करनी बाकी थी!

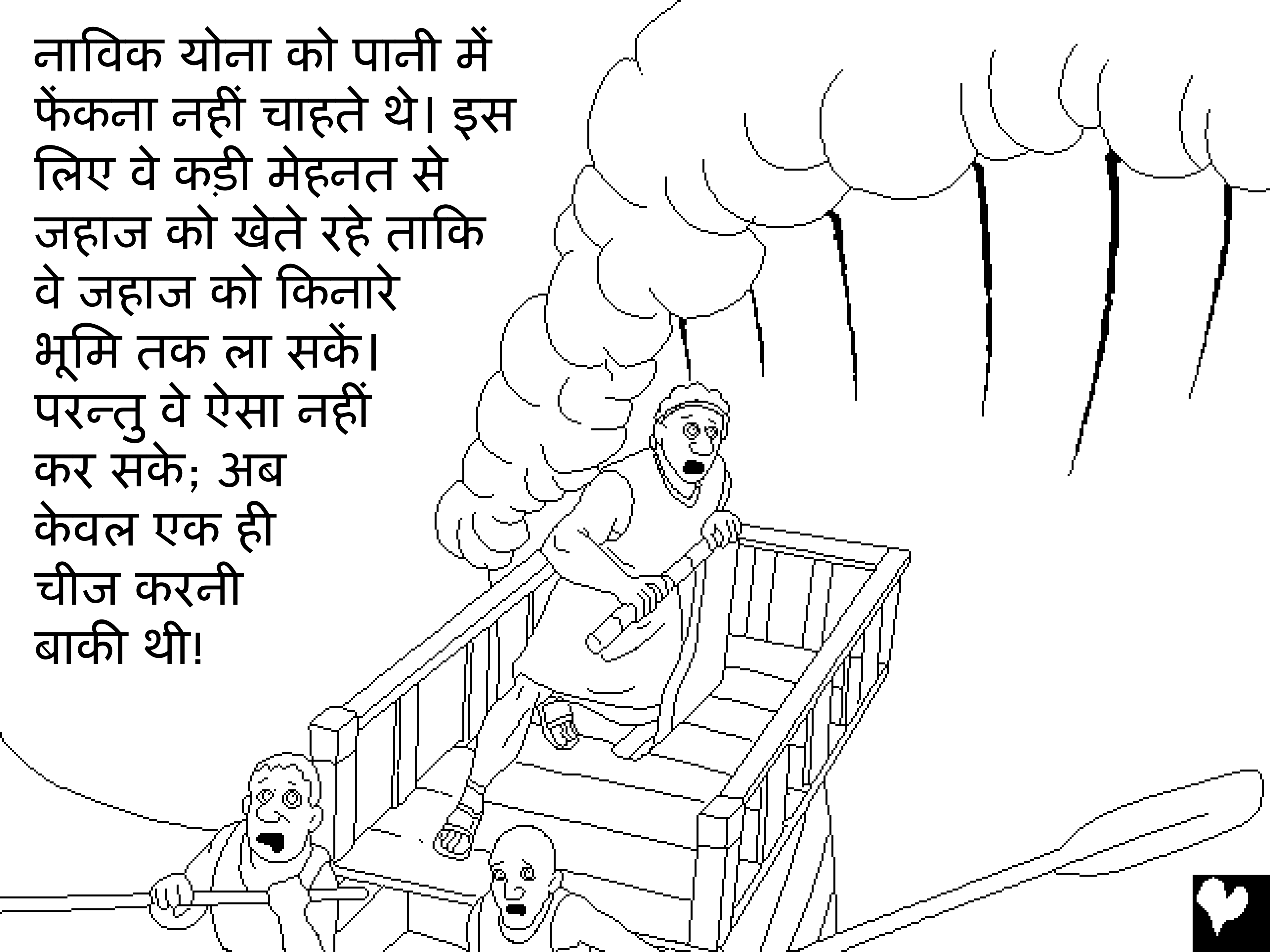

क्षमा प्रार्थना करने के बाद,
नाविकों ने योना को
ऊपर उठाया और
एक ओर उसे
फेंक दिया। योना
लहरों के नीचे
गायब सा हो गया, समुद्र तुरंत
शांत और हवा बंद हो गयी। मौसम
में अचानक परिवर्तन, तूफान से
कहीं ज्यादा उन नाविकों को डरा
दिया। वे जान लिए होंगे कि
केवल परमेश्वर ही ऐसा कर
सकता हैवे डरे और आश्चर्य
चकित होकर परमेश्वर
की आराधना किये।

इसी बीच, अनज्ञाकारी सेवक को एक बड़ा आश्चर्य मिला। असहाय होकर समुद्र कि गहराई में डूबते योना को पता था कि उसे डूबने से कुछ भी नहीं बचा सकता है। वह अब डूब ही जाता - लेकिन परमेश्वर के पास कुछ और ही योजना थी।

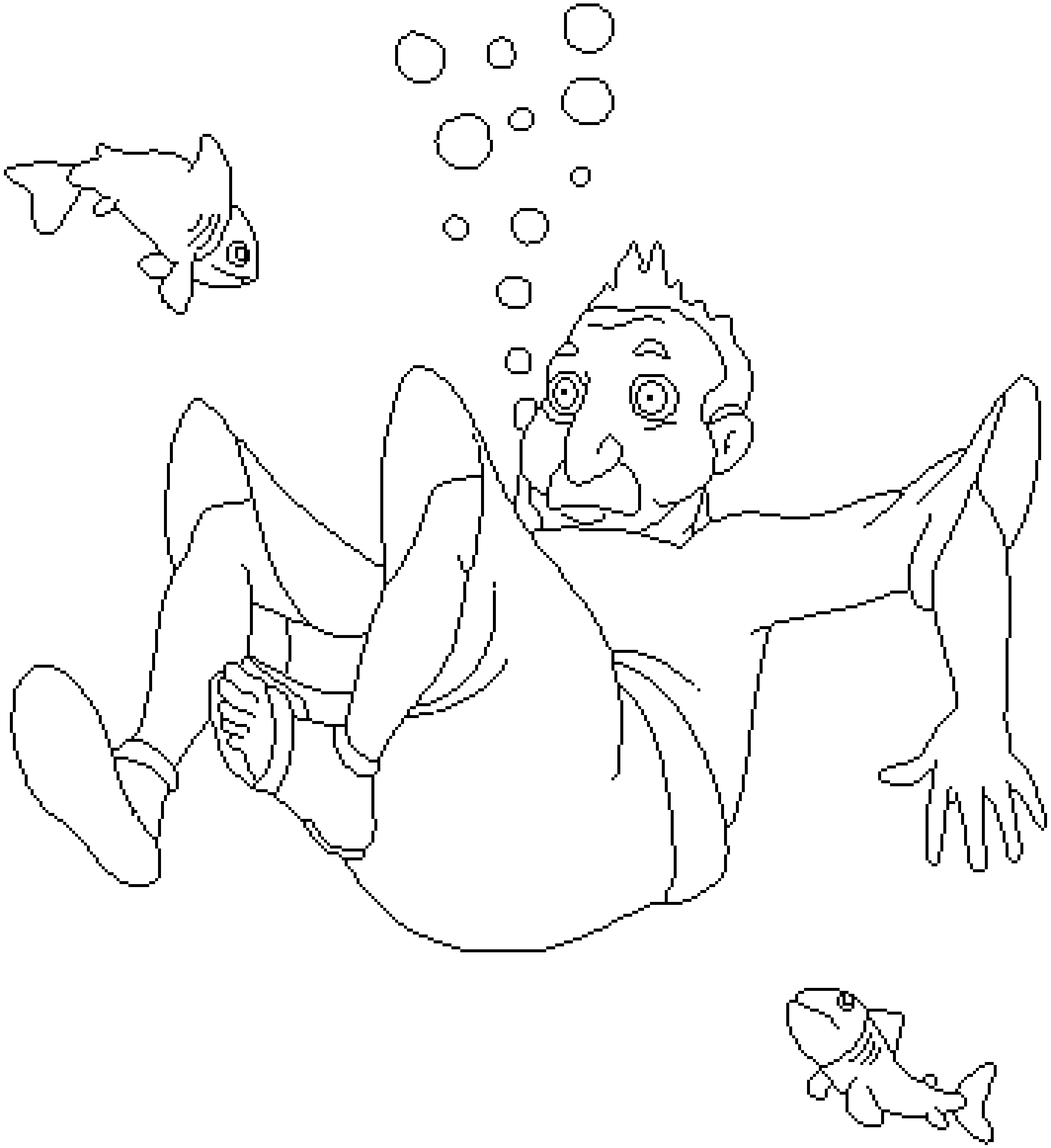

यहोवा ने योना को निगलने के लिए एक बड़ी मछली को तैयार किया था। मछली सही समय पर आयी! एक ही घूँट में योना समुद्र के बाहर मछली के पेट में था। योना तीन दिनों तक मछली के पेट में अंदर रहा। उसके पास चिंतन - मनन और प्रार्थना करने के लिए बहुत समय था।

तीन दिन के बाद योना ने अंत में परमेश्वर की आज्ञा का पालन करने का वादा किया। तभी, परमेश्वर ने मछली के मन में यह बात डाला और वह योना को किनारे ले जाकर उगल दिया।

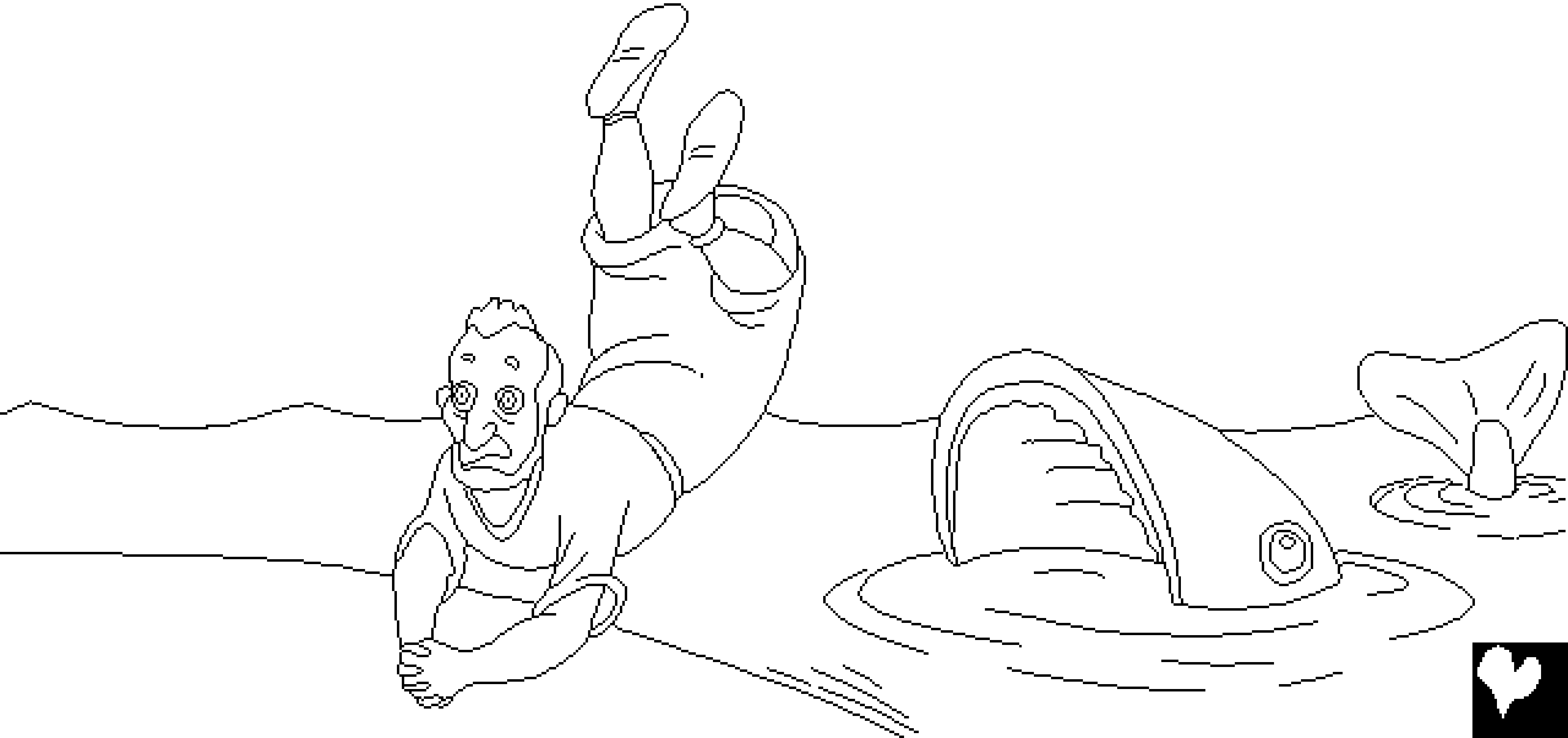

एक बार फिर, परमेश्वर ने योना को नीनवे जाने और परमेश्वर के वचन का प्रचार करने के लिए कहा। इस बार, योना चला गया! योना चिल्लाते हुवे, शहर में प्रवेश किया, "चालीस दिनों में, नीनवे उलट दिया जाएगा।"

नीनवे के लोगों ने परमेश्वर के संदेश पर विश्वास किया। वे अपने पापों की क्षमा के लिए तथा परमेश्वर को दिखाने के लिए; वे सभी उपवास किये और टाट पहने। यहां तक कि राजा भी परमेश्वर के सामने अपने आप को दीन किया। वह अपने राज सिंहासन से उतर गया, टाट पहना और राख पर बैठ गया। उसने हर एक को आज्ञा दी कि वे अपने दुष्टता के मार्गों से हिंसा से फिरें और यहोवा से प्रार्थना करे कि वह उन्हें माफ करे।

परमेश्वर ने उन्हें माफ किया! नीनवे में लोगों के लिए यह क्या ही खुशी का एक अद्भुत दिन रहा होगा जब लोगों को यह एहसास हुआ कि परमेश्वर ने उन्हें माफ कर दिया है। ... लेकिन एक व्यक्ति बहुत गुस्से में था, योना!

योना क्यों गुस्से में था? उसने कहा, परमेश्वर मुझे पता था की आप एक अनुग्रहकरी, विलम्ब से क्रोध करने वाला, दयालु, "और करुणानिधान परमेश्वर है।" दूसरे शब्दों में, योना जानता था कि परमेश्वर हमेशा लोगों के पापों को क्षमा करता है जो अपने पापों से पश्चाताप कर परमेश्वर की आज्ञा का पालन करते हैं। ऐसा लगता है कि योना, नीनवे के लोगों को पसंद नहीं करता था। वह नहीं चाहता था की वे क्षमा को प्राप्त करें।

योना, परमेश्वर से इतना गुस्सा था कि उसने यह कहा, मुझ से मेरी जान ले लो "जीवन से बेहतर मेरे लिए मृत्यु है।"

योना शहर के बाहर बैठ कर इंतजार कर रहा था, यह देखने के लिए कि परमेश्वर आगे क्या करता है। प्रभु परमेश्वर ने एक बड़ी पत्तियों वाले पेड़ को तैयार किया। वह बड़ी तेजी से विकसित हुआ, और पूरे दिन धूप से योना को छायांकित किया।

अगली सुबह, परमेश्वर ने कीड़ो को भेजा ताकि वे उस पेड़ को सुखा दें। फिर, प्रभु ने एक गर्म, तेज हवा तबतक चलायी जबतक योना यह न सोचे कि वह अब मर जाएगा। ये सब मिलकर योना को और भी क्रोधित बना दिया।

तब परमेश्वर ने योना से कहा, "क्या तुम्हारे पास क्रोध करने के लिए कोई अधिकार है? तुम्हे उस बेल पर दया आती है, जिसको तुमने विकसित करने के लिए कोई मेहनत तक नहीं किया। वह एक रात में उत्पन्न हुआ और एक रात में
वह मर भी गया। तो मै इस नीनवे, महान शहर जिसमे हजारों लोग रहते है पर दया क्योंकर न करूँ?"

योना और बड़ी मछली

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

योना

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16